बीकानेर का इतिहास

बीकानेर का राठौर वंश ⇒ संस्थापक ⇒ बीका (1465-88)

- प्राचीन नाम ⇒ जांगल प्रदेश

बीका
- कौन था ⇒ जोधपुर शासक राव जोधा का 5वाँ पुत्र था।
- इसने संस्थापना की या नगर बसाया ⇒ 1488 में बीकानेर

note ⇒ बीकानेर आखातीज (वैशाख शुक्ल III) को बसाया गया।

note ⇒ आखातीज को अक्षय तृतीया कहते हैं। जो एक अबूझ सावा है। इस दिन सर्वाधिक बाल विवाह होते हैं।

राव लूणकर्ण (1505-26)

- निर्माण करवाया ⇒ लूणकरण झील (बीकानेर)
- उपनाम ⇒ कलियुग का कर्ण
  - कहा था ⇒ बीठू सूजा ने

राव जैतसी (1526-42)

- दरबारी विद्वान ⇒ बीठू सूजा — पुस्तक लिखी → राव जैतसी रो छन्द
  - इसमें कहा राज० का सबसे प्रसिद्ध शासक राव जैतसी था।
- पुत्र ⇒ कल्याणमल

- युद्ध लड़े ⇒ **1534 – रातीघाटी का युद्ध**
  - **राव जैतसी**
    - जीत
  - **कामरान** — कौन था → यह काबुल (अफगानिस्तान) से लूट-पाट करने आया था।
    - हार
- **1541 – पाहेबा / साहेबा का युद्ध**
  - जोधपुर शासक → **राव मालदेव**
    - जीत
  - बीकानेर का शासक → **राव जैतसी** ⇒ साथ दिया ⇒ **कल्याणमल**
    - हार
    - मारा गया।
    - (कल्याणमल) → भाग कर शरण ली थी दिल्ली के सुल्तान शेरशाह सूरी के पास।

note, इस युद्ध की जानकारी बीठू सूजा की किताब राव जैतसी रो छन्द मे मिली।

कल्याणमल (1544-74)

- शासक बना ⇒ युद्ध के बाद ⇒ **1544 गिरी सुमेल का युद्ध**
  - **राव मालदेव**
    - हार
  - **शेरशाह सूरी**
    - जीत
    - साथ ⇒ दिया ⇒ कल्याणमल ने

- इसने 1570 ⇒ नागौर दरबार में अकबर (मुगल वंश) की अधीनता स्वीकार की।
- बीकानेर का पहला राजा जिसने मुगलो / अकबर की अधीनता स्वीकार की।
- २ पुत्र
  - रायसिंह
  - पृथ्वीराज राठौर
    - नियुक्त किया ⇒ अकबर की सेवा में
    - अकबर ने इसको दिया ⇒ गागरोण दुर्ग (झालावाड़)
    - इसने पुस्तक लिखी ⇒ वेलि किसन रुक्मणी रि ख्यात
      - गागरोण दुर्ग में लिखी
      - कर्नल जेम्स टॉड ने कहा 10,000 हाथियो के बराबर बल था।
      - दुरसा आढा ने कहा ⇒ 5वां वेद 19वां पुराण

⇒ L.P तेस्सीटोरी ने कहा "पृथ्वीराज को ~~होरेस~~" डिंगल का हैरोस

⇒ उपनाम ⇒ पीथल ⇒ एक साहित्यिक नाम था।

रायसिंह (1574-1612)

- ~~उपनाम~~ ⇒
  उपाधि ⇒ राय
  ⇒ महाराजधिराज
  ⇒ राजेन्द्र
  > अकबर द्वारा दिए गए नाम थे।
- स्वंय विद्धान ⇒ जिसने किताब लिखी
  - रायसिंह महोत्सव
  - ज्योतिष रत्नमाला
- दरबारी विद्धान ⇒ जयसोम ⇒ पुस्तक लिखी ⇒ कर्मचन्द्रवंशोत्कीर्तनकाव्यम
- इसका समकालीन बादशाह ⇒ अकबर
- उपनाम ⇒ राजपूताने का कर्ण ⇒ मुंशी देवी प्रसाद ने कहा था।

↳ निर्माण करवाया ⇒ **जूनागढ़ दुर्ग (बीकानेर)**
- → कर्मचन्द्र ब्राह्मण की देखरेख में बनवाया था।
- → राज० का एकमात्र दुर्ग जिसमे लिफ्ट लगी हुई है।
- → इस दुर्ग में रायसिंह ने जयमल-पत्ता की गजारूढ़ मूर्तियां बनवाई।
- → उपनाम ⇒ अधगढ़ दुर्ग

कर्णसिंह

- → उपाधि ⇒ **जांगलधर बादशाह**
- → दरबारी विद्वान ⇒ गंगाधर मैथिल ⇒ पुस्तक
  - ⇒ कर्णभूषण
  - ⇒ काव्यडाकिनी
- → समकालीन बादशाह ⇒ शाहजहां + अकबर
  - ↓ 1644 - मतीरे री राड़ युद्ध
    - कर्णसिंह ↳ हार
    - अमरसिंह ↳ जीत

अनूपसिंह

- → उपाधि मिली ⇒ माहिमरातिब
- → इसके काल को बीकानेर की चित्रशैली का स्वर्णकाल कहते है।
- → निर्माण करवाया ⇒ 33 करोड़ कोटि के देवी-देवताओं का मंदिर (बीकानेर)
  - <u>note</u> ⇒ 33 करोड़ देवी-देवताओं की साल ⇒ मण्डोर (जोधपुर)
- → दरबारी विद्वान ⇒ **भावभट्ट** → पुस्तक लिखी
  - → अनूपसंगीतसर
  - → अनूपसंगीतरत्नाकर

सूरतसिंह

- ↳ इसने जीता ⇒ भटनेर दुर्ग जो 1805 में मंगलवार को जीता था जिसके कारण नया नाम ⇒ हनुमानगढ़
- ↳ यह बीकानेर का पहला शासक जिसने 1818 में अंग्रेजों से संधि की

गंगासिंह (1887 - 1943)

- ↳ निर्माण ⇒ गंगा रिसाला ⇒ क्या थी ⇒ ऊंटों की सेना थी
  - करणी माता मंदिर ⇒ इसका आधुनिक निर्माण करवाया
  - गोगामेड़ी (हनुमानगढ़) ⇒ इसका — " — " — "
- निर्माण ⇒ गंगनहर
- उपनाम ⇒ आधुनिक भारत का भागीरथ
- शार्दुलसिंह ⇒ अन्तिम शासक